<u>ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल</u>

विषय - हिंदी　　कक्षा - छह　　अभ्यास पत्र अक्तूबर (2024-2025)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निराश व्यक्ति ना किसी की बात समझता है और ना किसी को अपनी बात समझा पाता है । तनिक-सी असफलता मिली कि मन हार कर बैठ गया। सारी दुनिया अँधेरे से घिरी दिखाई देने लगी । काम शुरू किया नहीं कि असफलता की दुर्बलता ने शक्ति छीन ली। प्रयास किया ही नहीं और हार मान बैठे । आज के युवक इसके सबसे बड़े शिकार बन रहे हैं। दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो हर कदम पर सफलता प्राप्त करता रहा हो। हर महान व्यक्ति को भी जीवन में असफलता मिलती है। सफल व्यक्ति उसे कहेंगे जो बार-बार असफल होने पर भी हार ना माने, आगे बढ़ने के लिए कमर कसकर तैयार रहे। ऐसे कर्मठ और दृढ़ इच्छा शक्ति वाले व्यक्ति के आगे सफलताएँ स्वागत करने के लिए तैयार रहती हैं इसलिए किसी ने कहा है - "मन के हारे हार हैं, मन के जीते जीत।" कुछ भी क्यों ना हो, हमें मन नहीं हारना चाहिए। निराशा को मन के दरवाजे पर ठहरने नहीं देना चाहिए।

क) निराश व्यक्ति को दुनिया कैसी दिखाई देती है ?

(i) बहुत खूबसूरत　　(ii) अँधेरों से घिरी हुई

(iii) आशाओं से भरी हुई　　(iv) आगे बढ़ने वाली

ख) प्रयास करने से पहले ही लोग क्या करते हैं?

(i) हार मान लेते हैं ।　　(ii) आराम करते हैं ।

(iii) आगे बढ़ते हैं ।　　(iv) मन में आशा रखते हैं ।

ग) सफल व्यक्ति किसे कहेंगे ?

(i) जो सदा सफल होता रहे।　　(ii) जो सफलता की बात करे ।

(iii) जो सफलता का ही स्वागत करे।　　(iv) जो असफल होने पर भी हार ना माने।

घ) मन के दरवाजे पर किसे ठहरने नहीं देना चाहिए?

ङ) किस व्यक्ति के आगे सफलताएँ स्वागत करने के लिए तैयार रहती हैं?

प्रश्न 2. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए।

(i) महात्मा गांधी ने कहा सत्य ही ईश्वर है

(ii) रामचरित मानस तुलसीदास द्वारा रचित ग्रंथ है

(iii) जीवन में सुख दुःख तो चलता ही रहता है

(iv) वाह हम यह मैच भी जीत गए

ख) निम्नलिखित वाक्यों में कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताइए।

(i) बच्चे पार्क में खेल रहे हैं।

(ii) सीता ने खाना बनाया।

(iii) राम ने किताब पढ़ी।

(iv) पक्षी उड़ रहा है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कभी-कभी मेरा दिल इन सब चीज़ों को देखने के लिए मचल उठता है। अगर मुझे इन चीज़ों को सिर्फ़ छूने भर से इतनी खुशी मिलती है तो उनकी सुंदरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध ही हो जाएगा। परंतु जिन लोगों की आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं। इस दुनिया के अलग-अलग सुदर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता। वह हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है।

यह कितने दुःख की बात है कि दृष्टि के आशीर्वाद को लोग एक साधारण-सी चीज़ समझते हैं जबकि इस नियामत से ज़िंदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है।

क) लेखिका को किस चीज से खुशी मिलती है?

(i) प्रकृति के स्पर्श से (ii) नए साल से (iii) नए वाहन से (iv) अपने पुत्र से

ख) मनुष्य किसकी कदर नहीं करता?

(i) अपनों की (ii) प्यार की (iii) क्षमताओं की (iv) किसी की भी नहीं

ग) मनुष्य किस चीज की आस लगाए रहता है?

(i) जो उसके पास नहीं होती है। (ii) जो उसने खोया है।

(iii) जो होना बिल्कुल भी न के बराबर है। (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

घ) लेखिका के अनुसार कौन- सी बात दुःख की है?

(i) दुःख की कदर न करना। (ii) क्षमताओं की कदर न करना।

(iii) लेखिका की कदर न करना। (iv) किसी की भी नहीं ।

प्रश्न 4.निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए।

क) जंगल की किन चीजों के बारे में लेखिका ने लिखा है?

ख) गंगाधर राव की असमय मृत्यु का डलहौजी पर क्या प्रभाव पड़ा?

ग) रानी को मर्दानी क्यों कहा जाता है?

घ) लेखिका अपने दोस्तों के बारे में क्या कहती हैं?

प्रश्न 5.. आपके इलाके में गंदगी की स्थिति दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है । नगरपालिका बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कीजिए।

प्रश्न 6. मोबाइल फ़ोन से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस विषय पर दो मित्रों के बीच हुई बातचीत का संवाद लेखन लगभग 60-80 शब्दों में लिखिए।